

वरठी घाटी में हादसा  
चार लोगों की मौत

हजारीबाग। हजारीबाग की चारी घाटी में शुक्रवार को सुबह-सुबह बड़ा हादसा हो गया, जहाँ एक स्कॉर्पियों द्वाइंडर से टकरा गयी। इस घटना में चार व्यक्ति की मौत हो गयी। घटना सुबह कीरी चार बजे की है। सभी चार मृतक बिहार के रहने वाले थे।

विदेश में राहुल ने फिर की चीज़ की तारीफ

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार पिर विदेश में भारत के पांडोरी देश चीन की तारीफ की है। राहुल गांधी इस समय बैलीयम दौरे पर है। राहुल ने यहाँ ब्रैसेल्स प्रेस वैल में एक प्रेस कॉर्नर से मैट्रिक की तारीफों के पुल बांधे। कहाँ, भारत सरकार के पास मैट्रिकेशन को लेकर वैकल्पिक विजन का अभाव है।

धनबाद : शॉर्ट सर्किट से अस्पताल में लगी आग

धनबाद। शहीद निर्मल महता मेडिकल कॉलेज अस्पताल के शिशु आटटोडर परिवार के कमर में शुक्रवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गयी। इससे पांडोरी में धूम फैल गया। धूम देख अस्पताल के आटटोडर परिवर्त में अफरा-तफरी मच गयी। कर्मियों ने संसाधनों का उपयोग कर कड़ी मशक्तक तक बांध आग पर काबू पाया।

इडी कोट्ट से बच्य यादव का रिलाय় আর্ডर जारी

रांची। मनी लॉन्ग्विंग के आरोपित बच्य यादव को कड़ी सुरक्षा के बीच इडी के विशेष न्यायालीश पीके शर्मा की अदालत में शुक्रवार को पेश किया गया। कोट्ट ने उन्हें दो-दो लाख के दो बेल बांड प्रस्तुत किये जाने पर कोट्ट ने उनका रिलाय় আर্ডर जारी कर दिया, जिसे बिसास मुद्रा जेल प्रशासन को भेजा गया है।

भारत-पाक महामुकाबले के लिए 11 को रिजर्व डे

कोलंबो। एशिया कप 2023 में एक बार पिर से भारत और पाकिस्तान की टीम महामुकाबले के लिए तैयार हैं। रियावर को दोनों टीमों के बीच सुपर-4 चरण का मैच खेला जायेगा। मैच में भी बांधिया का खतरा मंडरा रहा है। इसके लिए एसीसी ने 11 सिंतंबर को रिजर्व डे रखने का फैसला किया है।

पूर्व पीएम मनमोहन का पीएम मोदी को समर्थन

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जी-20 शिखर सम्मेलन से ठीक पहले रुस और यूक्रेन के बीच संघर्ष और भारत के साथ चीन के सीमा विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की सुपर-4 चरण का मैच खेला जायेगा। मैच में भी सुरक्षा का खतरा मंडरा रहा है। इसके लिए एसीसी ने तीनों टीमों के बीच उनका राष्ट्रपति फैसला किया है।

डीआइजी ने लिया सिविल कोट की सुरक्षा का जायजा

रांची। डीआइजी अनुभु विश्वरेन ने शुक्रवार की रांची के सिविल कोट की सुरक्षा व्यवस्था की निरीक्षण किया। सिविल कोट पहुंच उन्होंने कोटी की सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी ली। साथ ही सुरक्षा कार्यपाली को समर्थन किया।

मानव तस्करी की शिकार होने से बच्य व्यव्यायाः

खंटी। तपकरा थाना के पुलिस की सक्रियता से तीन नावालिंग बच्याः मानव तस्करी का शिकार होने से बच गयी। पोदांटों की दो जुड़वा बहनें और उसकी एक सहसों को एक महिला दलाल एवं प्रोलेभन और अच्छा काम दिलाने का झांसा देकर दिल्ली ले जाने के दौरान यात्रीयों से सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जानकारी ली। साथ ही सुरक्षा कार्यपाली को कई निर्देश भी दिये।

शनिवार का आजगांव भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

सोना (विक्री) : 56,000 रु./त्रिमासी  
चांदी : 75,000 रु./त्रिमासी

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# रथवर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ



## देश में आज से वैश्विक कूटनीति का आगाज

जी-20 शिखर सम्मेलन : नयी दिल्ली के भारत मंडपम में दुनिया की समस्याओं पर तमाम दिग्गज करेंगे चर्चा

□ ब्रिटेन, जापान, जर्मनी और इंडिया के नेताओं से आज पीएम की बोर्डी द्विपक्षीय वार्ता

एंट्री

नयी दिल्ली। भारत में होने वाले अब तक के सभी बड़े लोकल डिप्लोमैटिक इवेंट जी-20 का आगाज शुक्रवार से शुरू और अगले 72 घंटे पूरी दुनिया की नज़रें भारत पर रहेंगी। मुख्य सम्मेलन 9-10 सिंतंबर को होना चाहे है, लेकिन शुक्रवार को ही भारत में लगभग 29 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और प्रतिनिधि यहाँ पहुंच गये। पीएम मोदी ने जी-20 शिखर सम्मेलन शुरू होने से पहले विश्वस जाता कि वह सम्मेलन मानव-केंद्रित और समावेशी विकास में एक नया प्रश्न प्रश्न करेगा। इसमें विश्व समूदाय के लिए प्रमुख चिंता के विभिन्न मुद्दों को शामिल किया जायेगा। इसे ले कर अभूतपूर्व सुरक्षा की गयी है। पूरी राजधानी दिल ली को दुल्हन की तरह आग लग गयी।

मानव-केंद्रित समावेशी विकास का नया मार्ग खुलेगा : पीएम ने कहा, 'देश के सास्कृतिक लोकानामां में विहित, भारत की जी-20 अध्यक्षता का विषय 'वसुधैव कुमुक्षम'-एक पृथ्वी, एक परिवर, एक भविष्य' हमारे वैश्विक विकास का

### द्विपक्षीय वार्ता में भारत-अमेरिका आपसी संबंध बढ़ाने पर राजी



मोदी-बाइडेन वार्ता : शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन नयी दिल्ली से गुलाकात की। इसमें विश्व के लिए प्रमुख चिंता के विभिन्न मुद्दों को शामिल किया जायेगा। इसे ले कर अभूतपूर्व सुरक्षा की गयी है। पूरी राजधानी दिल ली को दुल्हन की तरह आग लग गयी।

गहराई से मेल खाता है कि पूरा विषय एक विकास संबंधी चिंताओं को उठाया। मोदी ने कहा, 'भारत प्रगति को आग बढ़ाने के लिए मानव-केंद्रित तरीके पर भी बहुत जोर देता है। वर्चतों, करात में खड़े अंतर्मित व्यक्ति की सेवा करने के गांधी जी के

प्रयोग

विश्व के लिए

मिशन का अनुकरण करना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान वह 'एक धरती, एक परिवर और एक भविष्य' पर सत्रों की अध्यक्षता करेंगे। हम सतत भविष्य के लिए सतत

विकास लक्ष्यों की प्राप्ति, हरित विकास समझौते और 21वीं सदी के लिए बहुपक्षी संस्थानों को मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, प्रतिष्ठित भारत मंडपम में 18वीं जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए भविष्यत की अनुसार करने की खुशी है। अगले दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।

समझौते के लिए

विकास

में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

की मेजबानी करने की खुशी है। अगले दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।

समझौते के लिए

विकास

में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

की मेजबानी करने की खुशी है। अगले दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।

समझौते के लिए

विकास

में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

की मेजबानी करने की खुशी है। अगले दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।

समझौते के लिए

विकास

में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

की मेजबानी करने की खुशी है। अगले दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।

समझौते के लिए

विकास

में एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

की मेजबानी करने की खुशी है। अगले दिनों में विश्व के विभिन्न नेताओं के साथ सार्थक चर्चा की उम्मीद करता हूं।

समझौते के लिए

विकास

में एक नय

















## स्पीड न्यूज

शहर को जाम की झाम से निजात नहीं, फंटी रही छबुलेस

चतरा। जिला मुख्यमंत्री चतरा को जाम की झाम से निजात नहीं मिल पा रही है। शुक्रवार को शहर में घटों जाम लगा रहा। ई-रिक्षाओं और गाहनों के आड़े-तिरछे खड़ होने के कारण जाम लगा गया। जिसके कारण खानायी लोगों, यात्रियों को परसानीयों से ज़दूना पड़ा। जाम में एवुलेस भी फंसी दिखी। जाम से गाड़ियों की तंती काटार लगा गई। वही सड़क पर जाम खुलावन के लिए पुलिस कर्मियों को काफी मशक्त करनी पड़ी। शहर के केंद्रीय बांक पर जाम ने पुलिस प्रशासन को व्यवस्थाओं की पोल खोल कर रख दी है। यातायात व्यवस्था को सुवर्ण रखने के लिए हर बांक पर पुलिस बल को बैनात किया हुआ है। बावजूद इसके शहर में जाम की समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है।

## संकल्प यात्रा जनसभा के बैनर से अग्रिम शाह गायब ...!

चतरा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की संकल्प यात्रा की जनसभा आगामी 12 सितंबर को सिमरिया में आयोजित है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला से लेकर प्रखण्ड स्तर तक के नेता अपनी ताकत छोड़ रहे हैं। शुक्रवार को सिमरिया विधायक किशन कुमार दास रियाया पहुंच कर संकल्प यात्रा को तेतू प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रथ को रखाना किया। लेकिन इस दौरान एक अलग ही जनजात देखने को मिला। संकल्प यात्रा जनसभा के किसी भी पोस्टर बैनर में भारत के गृहमंती अग्रिम शाह की तरीका नहीं लगाई गई है। इस पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जैपी नंदा, अन्नपूर्णा देवी, रघुवर दास, स्पानीय सासद सुनील कुमार सिंह, सिमरिया विधायक किशन कुमार दास, प्रदेशीय लक्ष्मीनाथ बाजेहाँ, आशा लकड़ा चतरा जनसभा के अप्रार्थी विधायी विहारी सिंह, जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा के अलावा अन्य फटों लगे हुए हैं। जिसके बाद तमाम तरह की वर्चा शुरू हो गई है।

## बड़कागांव का एतिज टीम बना प्रुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता

सिमरिया। प्रखण्ड के हुरानाली मैदान में डबल्यूसीएसएफ चैरिटी प्रियटी फाउंडेशन द्वारा जिला तरीय आयोजित फाइनल फ्रुटबॉल टूर्नामेंट का मुकाबला गुरुवार को खेला गया। फाइनल मैच में उत्तरांचल एसडीपीओ अशोक कुमार प्रियटी ने किंवदं निकारक किया। मौके पर शिला औपी प्रधारी रामदेव रम्या, मुखिया पुरुष राम उपरिथ थे। फाइनल मैच हजारीबाग के बड़कागांव के एतिज टीम और उजाला क्लब हुरानाली के बीच खेला गया। मैच में दोनों टीमों ने जबर्जस्त खेल दिखाया। दोनों टीमों के द्वारा कोई गोल नहीं किए जाने पर पेटोली शूटआउट कराया गया। जिसमें एतिज की टीम एक गोल से हुरानाली की टीम को हाराकर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। वही दुसरा मैच में बलियावारी वर्षा में जास दूर उत्तरांचल के छात्राओं ने पिंडराही की टीम को हाराकर जिताया।

## 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन संपन्न

कान्हालाली। प्रखण्ड के बाल पंचायत अंतर्गत ग्राम पेलौल कला सिंधित शिव मंदिर में आयोजित 24 घंटे का अखंड हारिकीरत शुक्रवार को संपन्न हो गया। हरि कीर्तन संपन्न होने के बाद दहन तथा आरती हुई आरती के पश्चात उपस्थित भक्तों एवं ग्रामीणों के बीच महाप्रासाद का वितरण किया गया। वही आवार्य पंकज शास्त्री ने बताया कि हर वर्ष पेलौल के ग्रामीण सहित प्रखण्ड राज्य एवं देशवासियों की सुख सम्पूर्ण तथा कृत्यांक के लिए हरि कीर्तन का आयोजन किया जाता है। उसी परंपरा को निभाते हुए इस वर्ष भी मंदिर में अखंड सकीर्तन का आयोजन किया गया था। वही चतरा विधायक सभा क्षेत्र के सुवेद पासवान शास्त्रीय हुए। आगे श्री पासवान कहा कि कीर्तन होने से आस पास के वातावरण शुद्ध होते हैं कीर्तन पेलौल खुर्द, दूल्हा, चारू सहित आसपास के कई गांव के सानानी शामिल हुए।

## पिंडू कान्हू फ्रुटबॉल खेल को लेकर बैठक आयोजित

गिरिहार। प्रखण्ड के अंतर्गत कार्यालय परिसर सभागार में शुक्रवार को प्रखण्ड के फ्रुटबॉल खेल के खिलाड़ी एवं खेल प्रेमियों के साथ बैठक किया गया। बैठक सिंदूर कान्हू फ्रुटबॉल खेल के टीम का गठन एवं चयन करने को लेकर किया गया। बैठक की अधिकारी प्रखण्ड प्रमुख गुरुवार द्वारा जिला तरीय आयोजित फाइनल फ्रुटबॉल टूर्नामेंट का मुकाबला गुरुवार को खेला गया। फाइनल मैच का उत्तरांचल एसडीपीओ अशोक कुमार प्रियटी ने किंवदं निकारक किया। मौके पर शिला औपी प्रधारी रामदेव रम्या, मुखिया पुरुष राम उपरिथ थे।

## फ्रुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता

फ्रुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता

सिमरिया। प्रखण्ड के हुरानाली मैदान में डबल्यूसीएसएफ चैरिटी प्रियटी फाउंडेशन द्वारा जिला तरीय आयोजित फाइनल फ्रुटबॉल टूर्नामेंट का मुकाबला गुरुवार को खेला गया। फाइनल मैच में उत्तरांचल एसडीपीओ अशोक कुमार प्रियटी ने किंवदं निकारक किया। मौके पर शिला औपी प्रधारी रामदेव रम्या, मुखिया पुरुष राम उपरिथ थे।

## प्रधारी रामदेव रम्या

प्र







को

टा में कोचिंग छात्रों के आत्महत्या के बढ़ते मामलों को लेकर विधायक पानाचांद मेघवाल ने विधानसभा में प्रश्न पूछा था। जिसके जवाब में सरकार ने आत्महत्या के जो प्रमुख कारण गिनाए थे उनमें कोचिंग सेंटर में होने वाले टेस्ट में छात्रों के पिछड़ जाने के कारण उनमें आत्मविश्वास की कमी होना, माता-पिता की छात्रों से उच्च महत्वाकांक्षा होना, छात्रों में शारीरिक मानसिक और पढ़ाई संबंधित तनाव उत्पन्न होना, अर्थिक तंगी, ब्लैकमेलिंग और प्रेम-प्रसंग जैसे प्रमुख कारण शामिल थे।

कोटा के कोचिंग संस्थानों में आने वाले छात्रों को

कमोबेश इतनी जानकारी तो होगी कि सफलता और चयन की दर कितनी है! फिर भी वे इन संस्थानों की तरफ भागे चले जा रहे हैं, तो हम छात्रों को ही दोषी करार देंगे। यदि छात्र डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन पाए, तो जिंदगी समाप्त नहीं होगी। बहरहाल 2020 में भारत में 12,500 से अधिक किशोर छात्रों की आत्महत्या की।

यह आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का है। यहीने यह बेहद डरावना आंकड़ा है। कोटा के 10 प्रमुख कोचिंग संस्थानों में करीब 2 लाख छात्र प्रवेश लेते हैं। अध्यापकों की संख्या करीब 4000 है।

हॉस्टल भी करीब 4000 हैं और पेइंग गेस्ट करीब 40,000 हैं, लेकिन औसतन हररोज 34 छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। इसके कई धरेतू और मनोवैज्ञानिक कारण भी हो सकते हैं। छात्र घर से ही तनाव ढोकर संस्थान तक आता है। संस्थानों की व्यवस्था भी तनावग्रस्त है। दरअसल 16-18 साल का किशोर इतना नहीं सोच सकता कि आत्महत्या के बाद उसके माता-पिता की मन-स्थिति क्या होगी? कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें बेटे-बेटी की आत्महत्या के बाद पिता ने भी जान गंवा दी। इससे किसी भी पक्ष को हासिल क्या हुआ? दरअसल ये

कोचिंग संस्थान भी पेशेवर दुकानदारी हैं। वे 10-15 ऐसे छात्रों को प्रवेश देते हैं, जो अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ सफल हो सकते हैं। उन छात्रों के सचित्र विज्ञापन अखबारों के पहले पन्ने पर छपते हैं, लिहाजा कारोबार फलता-फूलता है। शेष छात्र संस्थानों के मोटे राजस्व के स्रोत होते हैं। वे फेल हो जाते हैं अथवा आत्महत्या कर लेते हैं। यह संपूर्ण व्यवस्था ही असमान और गैर-पेशेवर है। चूंकि बीते दिनों दो छात्रों ने आत्महत्या की है, लिहाजा उसके बाद प्रशासन और सरकार कुछ हरकत में आए हैं।

## कोटा पर आत्महत्या के दाग

रमेश सरफि धमोरा

राजस्थान का कोटा शहर देश में कोचिंग की सबसे बड़ी मंडी बन चुका है। यहां प्रतिवर्ष लाखों छात्र कोचिंग करने के लिए आते हैं। जिससे कांचिंग सचालकों को सालाना इह हजार करोड़ रुपये की आय होती है। हालांकि कोटा आने वाले सभी छात्र मेडिकल व इंजीनियरिंग परीक्षा में सफल नहीं होते हैं। मगर देश की शीर्षस्थ मेडिकल व इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित होने वाले छात्रों में कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों की संख्या भी काफी होती है। इसी कारण अभिभावक अपने बच्चों को कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा में कोचिंग लेने वाले छात्रों को अभिभावकों ने कितनी

नहीं होते हैं। अपने बच्चों को उच्च शिक्षा बहुत से दिलवाने के लिए वह लोग विभिन्न स्तरों पर पैसों की व्यवस्था कर बच्चों को

कोचिंग के लिए कोटा भेजते हैं। कोटा आने वाले छात्रों को पता है कि

उन नां के अभिभावकों

ने कितनी

कोटा में सफलता की दर तीस प्रतिशत से ऊपर रहती है। देश के इंजीनियरिंग और मेडिकल के प्रतियोगी परीक्षाओं में टाप टेन में पांच छात्र कोटा के रहते हैं। मगर उसके साथ ही कोटा में एक बड़ी संख्या उन छात्रों की भी हो जो असफल हो जाते हैं।

एक अनुमान के मुताबिक कोटा के कोचिंग मार्केट का सालाना चार हजार करोड़ का टर्णओवर है। कोचिंग सेन्टरों द्वारा सरकार को अनुमानतः सालाना 300-400 करोड़ रुपये से अधिक टैक्स के तौर पर दिया जाता है। कोटा में देश के तमाम नामी गिरामी संस्थानों से लेकर छोटे मोटे 200 कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। दिल्ली, मुंबई के साथ ही कई विदेशी कोचिंग संस्थाएं भी कोटा में अपने सेंटर खोल रही हैं। लगभग दाईं लाख छात्र इन संस्थानों से कोचिंग लेते रहे हैं। कोटा में सफलता की बड़ी बजह वहां के शिक्षक हैं। अभी एक अनुमान के अनुसार कोटा में तीन लाख बच्चे कोचिंग इंजीनियरिंग या मेडिकल कालेजों में पढ़ने वाले छात्र बड़ी कम्पनियों और अप्यतालों की नौकरियां छोड़कर यहां के कोचिंग संस्थानों में पढ़ा रहे हैं। तन्हावाह ज्यादा होने से अकेले कोटा शहर में 75 से ज्यादा आईआईटी पास छात्र पढ़ा रहे हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं की घटनाएं शहर के तामन पर कलक लगा रही है। पिछले अगस्त महीने में ही कोटा में कोचिंग संस्थानों में आत्महत्या करने वाले छात्रों की घटनाएं शहर के अभिभावकों की स्थिति इतना खर्च वहन करने की नहीं होने के उपरांत भी वह अपने बच्चों को इस आशा से कोटा भेजते हैं कि यदि वह परीक्षा में सफल हो जाता है तो भविष्य में इंजीनियर या डॉक्टर बन जाएगा। इसके लिए लोग लाखों रुपये के कर्ज के बोझ तले भी दूर जाते हैं।

कोचिंग के बड़े केंद्र कोटा में पढ़ने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं। इसी वर्ष जो 23 छात्रों ने आत्महत्या की है उनमें से 19 छात्र व चार छात्रों में शामिल हैं। इनमें से 17 छात्र नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे थे वही 6 छात्र जेईई परीक्षा की तैयारी कर रहे थे।

कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के लिए करोड़ तक रुपये के कर्ज के लिए आने वाले छात्रों में से अधिकांश गरीब या मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं।

कोटा में आत्महत्या करने के